ज्वालामुखी योग - 38

अव्यक्त बापदादा :- (31.12.2005)

➳ _ ➳ ज्वाला रूप योगी तू आत्मा कई बच्चों को बाप से रूहरिहान करते कई बच्चे सुनाते हैं कि अमृतवेले सुस्ती का वायब्रेशन थोड़ा होता है। उठते जरूर हैं लेकिन पावरफुल शक्तिशाली रूप से स्व के प्रति वा विश्व के प्रति शक्ति देना, वह थोड़ा सा थकावट की रेखा होती है। उस समय ऐसे नहीं समझो हम अपने सेन्टर के योग के कमरे में बैठे हैं, बाबा के कमरे में बैठे हैं, क्लास रूम में बैठे हैं, लेकिन ऐसे समझो विश्व की स्टेज पर बैठे हैं। हीरो पार्टधारी हैं और और स्टेज पर बैठे हैं।

➳ _ ➳ अगर हीरो पार्टधारी थका हुआ पार्ट बजायेगा तो कैसा बजायेगा? वायुमण्डल कैसे फैलेगा? तो अमृतवेला भी पावरफुल बनाओ। नियम अच्छा निभाते हो लेकिन सुनाया ना अभी, योग सर्वशक्तियों से पावरफुल हो, योग अग्नि हो। हो। ज्वालामुखी हो। तो यह तीन मास विशेष अमृतवेला भी नोट करना। बातें बहुत अच्छी-अच्छी करते हैं, प्यार के स्वरूप में भी होते हैं लेकिन ज्वालारूप कम होता है।

➳ _ ➳ अभी संस्कार का अंश मात्र भी नहीं रहे तब कहेंगे ज्वाला रूप योगी तूआत्मा। और साथ-साथ इस नये वर्ष में जो भी खजाने हैं, ज्ञान का खजाना, शक्तियों का, गुणों का, श्रेष्ठ संकल्प का खजाना, एक तो सफल सफल करो और दूसरा जमा करो। जमा भी करो, सफल भी करो। क्योंकि आपका टाइटल है, वरदान है सफलता के सितारे। है ना आपका टाइटल सफलता के सितारे? सभी फलक से कहते हो सफलता हमारे गले का हार है। सफलता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है। तो सफलतामूर्त हो, सफल करो और जमा भी करो।

➢➢ सफलता के बारे में 10 बातें जो बाबा ने कही हैं...

➳_ ➳ सफलता तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है...

➳_ ➳ तुम सफलता के सितारे हो...

➳_ ➳ सफलता तुम्हारे पीछे परछाई की तरह आएगी...

➳_ ➳ तुम्हारी सफलता हुई पड़ी है...

➳_ ➳ तुम सफलता मूर्त हो...

➳_ ➳ सफलता तुम्हारे गले का हार है...

➳_ ➳ तुम कल्प कल्प की सफलता मूर्त आत्मा हो...

➳_ ➳ कदम कदम श्रीमत पर चलो तो तुम्हारे हर कदम में सफलता समाई हुई है...

➳_ ➳ तुम्हारी सफलता निश्चित है...

➳_ ➳ अभी सफलता मूर्त नहीं, तो भविष्य में भी नहीं बन पाएंगे...

➢➢ अमृतवेला सुस्ती आने के कारण

➳_ ➳ पर्याप्त नींद न होना

➳_ ➳ थकावट होना

➳_ ➳ व्यर्थ संकल्पों की बहुलता

➳_ ➳ अमृतवेले का निर्धारित लक्ष्य न होना

➳_ ➳ भोजन ज्यादा या गरिष्ठ करना

➳_ ➳ कोई अनुभव न होना

➳_ ➳ रात को सोने की गलत विधि

➳_ ➳ दिन भर श्रीमत का उल्लंघन होगा तो अमृतवेले माया बदला लेगी...

➳_ ➳ ज्ञान चिन्तन का अभाव

➳_ ➳ अमृतवेले का महत्व कम होना, केवल नियम से बैठे हैं...

➳_ ➳ अकर्मण्य जीवन होना

➳_ ➳ दिनचर्या पर अटेंशन न होना

➳_ ➳ अमृतवेले का फिक्स समय न होना

➳_ ➳ तन का या मन का बुखार

➢➢ संस्कारों का अंश मात्र भी न रहे, तब कहेंगे ज्वाला रूप योगी तू आत्मा...

➳_ ➳ खजानों को सफल करना अर्थात उनको बांटना...

→ खजाने कौन कौन से हैं...

- सहयोग देने का खजाना
- वायब्रेशन का खजाना
- संतुष्टता का खजाना
- बोल का खजाना
- पवित्र दृष्टि का खजाना
- अनुभवों का खजाना
- पवित्र वृत्ति का खजाना
- गीत, संगीत, कविताओं का खजाना
- साइलेंस का खजाना
- साहित्य का खजाना
- क्लासेज का खजाना
- यग्य के स्थानों का खजाना

→ चार धाम

- यग्य की दादियाँ, उनका आदर्श जीवन यग्य की थाती है...
- नियमों, मर्यादाओं का खजाना
- सत्यता का खजाना
- स्वास्थ्य का खजाना
- श्रेष्ठ स्थिति का खजाना

- श्रेष्ठ वायुमंडल का खजाना
- श्रेष्ठ भाग्य का खजाना
- ब्रह्मा भोजन का खजाना
- टोली का खजाना